चीनी कंपनियों की तकदीर बदलेगी, बलरामपुर-धामपुर से बनेगा पैसा!

टर्नअराउंड के संकेत

- **सरकार ने** पिछले महीने चीनी का एमएसपी 29 रुपये से बढ़ाकर 31 रुपये प्रति किलो कर दिया था, इससे कंपनियों के कैश फ्लो में बढ़ोतरी होगी और वे किसानों को गन्ने का बकाया चुका सकेंगी
- **बलरामपुर चीनी,** बन्नारी अम्मान, धामपुर शुगर, डालमिया भारत और बजाज हिंदुस्तान के शेयरों में पिछले एक हफ्तों से खरीदारी चल रही है और इनके डिलीवरी वॉल्यूम में भारी बढ़ोतरी हुई है

[राजेश मैस्करेनस | मुंबई]

न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी और एक्सपोर्ट सब्सिडी जैसे दूसरे बदलावों, एथनॉल प्रॉडक्शन को बढ़ावा मिलने और बढ़ती कीमतों के चलते भारत के शुगर सेक्टर में इस साल टर्नअराउंड के संकेत दिख रहे हैं। मार्केट एनालिस्टों का कहना है कि साइक्लिकल उतार-चढ़ाव के दौर से इंडस्ट्री अब बाहर निकलने को है। कंपनियों को अच्छा कैश फ्लो मिलेगा और कॉल ऑप्शन के कारण चीनी के दाम में अधिक गिरावट आने की आशंका भी नहीं है।

बलरामपुर चीनी, बन्नारी अम्मान, धामपुर शुगर, डालमिया भारत और बजाज हिंदुस्तान के शेयरों में पिछले एक हफ्तों से खरीदारी चल रही है और इनके डिलीवरी वॉल्यूम में भारी बढ़ोतरी हुई है। इस बारे में मार्केट एनालिस्ट अभिषेक रॉय ने बताया, 'चीनी का उत्पादन कम होने के आसार हैं। इसके साथ एक्सपोर्ट सब्सिडी, अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी के दाम में बढ़ोतरी, एथनॉल प्रॉडक्शन पर जोर और एमएसपी में बढ़ोतरी से इंडस्ट्री की सूरत बदल सकती है। पहले यह सेक्टर बिजनेस साइकिल में फंस जाता था। कभी इसमें तेजी का दौर होता था तो कभी मंदी का। अब हमें इसके इस दौर से बाहर निकलने की उम्मीद है। इससे चीनी कंपनियों के कैश फ्लो में बढ़ोतरी होगी।'

पिछले महीने सरकार ने चीनी का एमएसपी 29 रुपये से बढ़ाकर 31 रुपये प्रति किलो कर दिया था। इससे कंपनियों के कैश फ्लो में बढ़ोतरी होगी और वे किसानों को गन्ने का बकाया चुका सकेंगी। एमएसपी में बढ़ोतरी से खुले बाजार में चीनी का भाव बढ़ेगा। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इससे गन्ना किसानों के बकाये के बोझ से दबी चीनी मिलों को राहत मिलेगी।

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च की सीनियर एनालिस्ट खुशबू लखोटिया ने बताया, 'एमएसपी बढ़ने के बाद चीनी का थोक भाव 33-34 रुपये प्रति किलो तक पहुंच सकता है, जो पहले 31-32 रुपये था। इससे मिलों के ऑपरेटिंग मार्जिन में 4-5 पर्सेंट बढ़ोतरी होगी।' उन्होंने यह भी कहा कि चीनी की बिक्री को रेगुलेट किए जाने से मिलों को अधिक वर्किंग कैपिटल की जरूरत पड़ेगी। इससे उनकी ब्याज देनदारी बढ़ सकती है।

दिसंबर 2018 क्वॉर्टर में चीनी कंपनियों का ऑपरेटिंग प्रॉफिट बढ़कर 5.1 पर्सेंट हो गया था, जो इससे पिछली तिमाही में 4.2 पर्सेंट था। पिछली तिमाही में कंपनियों की आमदनी में तिमाही आधार पर 18 पर्सेंट की शानदार बढ़ोतरी हुई थी। ब्रोकरेज फर्म जेएम फाइनेंशियल के एनालिस्ट अचल लोहाडे ने कहा, 'बलरामपुर देश की टॉप 3 कंपनियों में शामिल है। इस पर कम कर्ज है। एमएसपी में बढ़ोतरी से इस कंपनी को काफी फायदा हो सकता है।' उन्होंने यह भी कहा कि ईआईडी पैरी में भी निवेश किया जा सकता है।

बलरामपुर चीनी का तीन साल में रिटर्न ऑन इक्विटी 25.90 पर्सेंट रहा है और अभी इसमें वित्त वर्ष 2020 के अनुमानित ईपीएस के 5.1 गुना पर ट्रेडिंग हो रही है। मार्च 2017 में कंपनी पर 1,782 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो सितंबर 2018 में घटकर 360 करोड़ रुपये रह गया था।

Economic Times
Goa